



प्रिंट और डीजिटल मीडिया
में सभी प्रकार के
विज्ञापन के लिए

संपर्क करें

9303289950
7987166110



स्वातंत्र्य-संघर्ष

25 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ दौरे पर आएगी स्मृति ईरानी

रायपुर। चुनावी रणनीतिकार के रूप में सक्रियता तेज करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों यानी 'मिशन 2028-29' की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस क्रम में नवनिर्वाह प्रदेश भाजपा प्रभारी स्मृति ईरानी 25 और 26 अक्टूबर को अपने दो दिवसीय दौरे पर रायपुर आ रही हैं। प्रदेश प्रभारी बनने के बाद यह उनका पहला छत्तीसगढ़ दौरा होगा, जिसके राजनीतिक मायने बेहद खास माना जा रहे हैं। पहली ही बैठक में वह मिशन 2028 विधानसभा-लोकसभा चुनाव के लिए रणनीति बना सकती हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, दौरे के दौरान स्मृति ईरानी पूर्व सांसदों और विधायकों से न-न-न चर्चा कर उनके कामकाज का रीपोर्ट कार्ड लेंगी। संगठनात्मक सूत्रों के मुताबिक, इस सीमा के बाढ़ प्रदेश के 60 से अधिक पूर्ण सांसदों व विधायकों को आगामी रणनीतियों के तहत नई जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं।

प्लांट में टेकेदार पर गिरा पिघला लोहा, 100 फीसदी झुलसने से मौत

दुर्गा। जिले के बोर्ड—रसमड़ा स्थित जेडी स्टील प्लांट में हुए हादसे में ठेकेदार संतोष कुमार श्रीवास्तव (42) की मौत हो गई। 17 अक्टूबर की रात करीब 1 बजे मशीन से निकला 1500 से 1600 डिग्री सेल्सियस तापमान वाला पिघला लोहा उनके शरीर पर गिर गया। इससे बावजूद गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें उपचार के लिए भिलाई के सेक्टर-9 अस्पताल ले जाया गया, जहां उसी दिवस दोपहर करीब 3:30 बजे उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार संतोष कुमार श्रीवास्तव स्टील प्लांट में ठेकेदारी का काम करते थे। 17 अक्टूबर की रात करीब 1 बजे प्लांट में इस्तेमाल होने वाली टैंडिस मशीन के एक हिस्से का नोजल नीचे आ गया। इसी दौरान मशीन से निकलने वाला पिघला लोहा उनके शरीर पर गिर गया। लोहे का तापमान करीब 1500 से 1600 डिग्री सेल्सियस बताया गया है। पिघले लोहे की चपेट में आने से संतोष का पूरा शरीर गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद उन्हें तत्काल इलाज के लिए भिलाई के सेक्टर-9 अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी हालत गंभीर थी। डॉक्टरों ने उन्हें बचने का प्रयास किया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

कुर्ला में 13 मंजिला इमारत के बिजली के डकट में लगी आग

मुंबई। कुलां इलाकें में मालावार सुबह 13 मिनट आवासीय इमारत के बिजली के डकट में आग लग गई। इस घटना में तीन बच्चों समेत नौ लोग घायल हो गए। नगर निगम के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, आग सुबह करीब 6:53 बजे कुलां पश्चिम स्थित कोहिनूर एचडीआईएल बिल्डिंग नंबर 5 में लगी। आग बिजली के तारों और डकट में फैल गई। दमकल कर्मियों ने सुबह 7:21 बजे तक आग पर कबू पा लिया। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि इमारत में धुआं भर जाने से आठ लोगों को दम घुटने की शिकायत हुई। वहीं, एक व्यक्ति के दाहिने पैर में चोट आई है। घायलों में पांच साल का एक बच्चा, दो किशोरियां और एक बुजुर्ग भी शामिल हैं। सभी को राजावाड़ी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई गई है।

गरबा से लौट रहे युवक-युवती को तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, युवती की मौत, युवक गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई टाउनशिप के फ़ैस्ट एवेन्यू मार्ग पर सेक्टर 5 में जेपी प्लांट के समीप सौमवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। रात करीब 11 बजे गलत दिशा से आ रही एक तेज रफ़्तार कार ने स्कूटी सवार युवक—युवती को जोरदार टक्कर मार दी। इस भिषाव दुर्घटना में 20 वर्षीय युवती की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही भिलाई नगर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार अब ब्रॉक तालपुत्री कॉलोनी निवासी अश्विना अश्विनी पिता गजानन अचवट (20 वर्ष) घर के पास रहने वाले आयुष कुमार पचौरी पिता विनोद पचौरी (17 वर्ष) के साथ गरबा आयोजन में शामिल होकर स्कूटी से घर लौट रहे थे। दोनों फ़ैस्ट एवेन्यू के रास्ते तालपुत्री

विजय दशमी पर दुर्ग पुलिस लाइन में एसएसपी विजय अग्रवाल ने की शस्त्रों व वाहनों की पूजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

मिलाई। दुर्ग पुलिस द्वारा पुलिस लाइन, दुर्ग में विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं हवन का आयोजन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकक्षक विजय अग्रवाल सहित उपस्थित अधिकारियों ने पुलिस विभाग के शस्त्रों के साथ पुलिस लाइन के वाहनों एवं राजपत्रित अधिकारियों के शासकीय वाहनों का भी पूजन-अर्चना किया। शस्त्र पूजन एवं हवन के पश्चात निर्धारित प्रक्रिया एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप सैक कारतूसों से मोरफाई कार्यालय की गई।



जता है हर साल पुलिस लाइन में विजय दशमी पर कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम में एसएसपी विजय अग्रवाल की उपस्थिति में विधि-विधान से हवन संपन्न कराया गया तथा पुलिस विभाग के शस्त्रों की पूजा की गई। इस अवसर पर पुलिस लाइन में उपलब्ध विभागीय वाहनों एवं राजपति अधिकारियों के शासकीय वाहनों का भी विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। शस्त्र पूजन एवं हवन की प्रक्रिया संपन्न होने के पश्चात निर्धारित प्रक्रिया एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप ब्लैक कारतूसों से फायरिंग की गई।

कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं पुलिस कर्मचारियों को उपस्थित रही। आयोजन के दौरान पुलिस विभाग की परंपराओं, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त अधीक्षक श्री शोभराज अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मणिशंकर चन्द्रा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल सहित राजपत्रित अधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

दुर्ग-भिलाई में 174 जगहों पर होगा रावण दहन दशहरा पर 766 पुलिसकर्मी संभालेंगे सुरक्षा

■ शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दुर्ग पुलिस ने व्यापक सुरक्षा योजना तैयार

श्रीकिचनपथ न्यूज

दुर्गा-भिलाई। दुर्गा पुलिस ने दशहरा, रावण दहन और दुर्गा प्रतिमा विजयन के लिए सुरक्षा को तैयारी पूरी कर ली है। 20 और 21 अक्टूबर को होने वाले आयोजनों के लिए जिले में 766 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को इ्यूटी लगाई गई है। दशहरा के 174 और प्रतिमा विजयन के 532 स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पुलिस ने जिले को दो हिस्सों में बांटकर अधिकारियों को जम्मदारी सौंपी है। यथातया व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और महिला सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

सुरक्षा व्यवस्था के लिए जिले को दो हिस्सों में बांटा गया है। दुर्गा और धमधम



यातायात संभालेंगे 103 जवान

दशहरा और विसर्जन के दौरान सड़कों पर भीड़ बढ़ने की संभावना को देखते हुए यातायात व्यवस्था को 3 जोन में बांटा गया है। यातायात शाखा के 103 जवानों की ड्यूटी लगाई गई है। पुलिस जरूरत के अनुसार मार्गों पर वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करेगी, ताकि आयोजन स्थलों के आसपास जाम की स्थिति न बने।

विसर्जन स्थलों पर भी रहेगी नजर

जिले में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए 532 स्थलों पर व्यवस्था की गई है। इन जगहों और उनसे जुड़े रास्तों पर पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। भीड़ को संभालने, श्रद्धालुओं की आवाजाही और सुरक्षा पर नजर रखी जाएगी। संबंधित थाना प्रभारी अपने क्षेत्रों में व्यवस्था की निगरानी करेंगे।

महिला सुरक्षा और आपात स्थिति पर भी तैयारी

महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए महिला रक्षा टीम तैनात रहेगी। इसके अलावा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर सुरक्षा व्यवस्था संचाली जाएगी। आपात स्थिति से निपटने के लिए राज्य और राष्ट्रीय आपदा बचाव दल के साथ अग्निशमन दल की व्यवस्था भी की गई है।

50 करोड़ का 100 क्विंटल गांजा जब्त 9 माह में पांच सौ आरोपी गिरफ्तार

■ महासमुद्र पुलिस ने पांच राज्यों में फैले नेटवर्क पर कसा शिकंजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। तीसरां दू के महासमुंद पुलिस ने मादक पदार्थों को अवैध तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन निश्चय' के तहत बीते 11 महीनों में करीब 10,000 किलोग्राम (100 क्विंटल) गांजा जब्त किया है। बरामद किए गए इस गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 50 करोड़ रुपये है। पुलिस ने वर्ष 2026 में अब तक 1177 प्रकरण दर्ज करके 501 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 70 आरोपी अभी भी फरार हैं। इस दौरान तस्करी में प्रयुक्त करीब 10 करोड़ रुपये मूल्य के वाहन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने केवल गांजा ही नहीं, बल्कि 1,432 किलोग्राम डोडा भी जब्त किया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 2.1 करोड़ रुपये है।



व्यापक था। पुलिस ने छत्तीसगढ़ से 138, ओडिशा से 162, महाराष्ट्र से 103, मध्य प्रदेश से 73 और उत्तर प्रदेश से 54 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

है। पुलिस ने केवल गाँजा ही नहीं, बल्कि 1,432 पकड़ी गई गाँजे की खेपों का मुख्य स्रोत ओडिशा में ओडिशा है। पुलिस ने बैकवर्ड लिंकेज की जाँच में ओडिशा के कई जिलों की पड़ताल की है। आंकड़ों के अनुसार कालाहॉडी से 2,679 किलोग्राम, कंधमाल से 2,153 किलोग्राम, बौद्ध से 1,177 किलोग्राम, रायगढ़ा से 950 किलोग्राम, सोनपुर से 872 किलोग्राम और बलांगीर से 791 किलोग्राम गाँजे की आपूर्ति का संबंध सामने आया। इसके अलावा देगढ़ से 281.900 किलोग्राम, नुपागढ़ा से 212.170 किलोग्राम, भुवनेश्वर से 207.710 किलोग्राम, बरारद से 171.788 किलोग्राम और अंगुल से 148.495 किलोग्राम गाँजे की खेप का स्रोत जुड़ा पाया गया।



स्थित अपने निवास की ओर जा रहे थे। इसी दौरान जेपी प्लांट के पास गलत दिशा से आ रही कार क्रमिक सीजी 70 सीएच 2321 के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उनकी स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों काफ़ी दूर जाकर गिरे और गंभीर आघात रूप से चोटिल हो गए। हादसे के तुरंत बाद राहगीरों की मदद से अक्षिता को गंभीर अवस्था में सेक्टर 9 अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल आयुष कुमार को उपचार के लिए

हाईटेक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

सप्ताह भर पहले हुआ दादा का निधन

इस हादसे के बाद मृतका के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। महज एक सप्ताह पहले, 13 अक्टूबर को ही अश्विनी के दादा का निधन हुआ था, और आगामी 25 अक्टूबर को उनकी तेहवाँ का कार्यक्रम निश्चय था। परिवार अभी इस शोक से उबर भी नहीं पाया था कि घर की लाइली बेटी को असमय मौत ने परिजनों को गहरे सदमे में डाल दिया है। बता दें कि अश्विनी के पिता गजानन अवचट रेलवे में लोको पायलट के पद पर कार्यरत हैं और मूल रूप से भिलाई-3 जैन मंदिर के पास के निवासी हैं। पिता के निधन के कारण पूरा परिवार भिलाई-3 स्थित मकान में रह रहा था और 18 अक्टूबर को ही तालपुरी बापस लौटा था। गजानन अवचट की दो बेटियों में अश्विनी छोटी थी।

संपादकीय

बच्चे और इंटरनेट

आजादी और सुरक्षा एक-दूसरे की पूरक, प्रतिबंध नहीं समाधान

दरअसल, आस्ट्रेलिया, फ़्रांस और अन्य विकसित देशों में बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच का उम्र के आधार पर नियंत्रित करने के लिए विभिन्न कानूनी उपायों पर जोर दिया जा रहा है। भारत में भी बच्चों को इंटरनेट और सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए सख्त प्रतिबंध लगाने की मांग उठती रही है। इसके पीछे बच्चों की मानसिक सेहत, ऑनलाइन उत्पीड़न, अश्लील सामग्री, साइबर अपराध और अनजान लोगों के संपर्क में आने जैसी गंभीर चिंताएं हैं। इन आशंकाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, लेकिन यह भी विचार करना होगा कि क्या केवल प्रतिबंध लगाकर इन समस्याओं का स्थायी समाधान निकाला जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी बुनियादी सवाल की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करती है।

“आज का दौर डिजिटल क्रांति का दौर है। इंटरनेट ने शिक्षा, सूचना, संवाद और सामाजिक भागीदारी के अवसरों को पहले से कहीं अधिक व्यापक बनाया है। खासकर बच्चों और किशोरों के लिए इंटरनेट ज्ञान प्राप्त करने, नई चीजें सीखने और दुनिया को समझने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। ऐसे में बच्चों को इंटरनेट से पूरी तरह दूर रखने या सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर व्यापक प्रतिबंध लगाने की मांग के बीच सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी एक महत्वपूर्ण बहस को जन्म देती है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि बच्चों की इंटरनेट तक पहुंच को केवल सुरक्षा संबंधी चिंताओं के आधार पर अनुचित नहीं ठहराया जा सकता। आजादी और सुरक्षा को एक-दूसरे का विरोधी मानने के बजाय दोनों के बीच संतुलन स्थापित करना समय की जरूरत है।

है। यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इंटरनेट अब केवल मनोरंजन का साधन नहीं रह गया है। यह शिक्षा, जानकारी, रचनात्मकता और अवसरों तक पहुंच का माध्यम भी है। देश के दूरदराज और ग्रामीण इलाकों में रहने वाले अनेक बच्चों के लिए ऑनलाइन संसाधन ज्ञान प्राप्त करने का महत्वपूर्ण जरिया हैं। डिजिटल माध्यमों के जरिए वे उन विषयों की जानकारी हासिल कर सकते हैं, जिनके लिए उनके आसपास पर्याप्त शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। ऑनलाइन कक्षाएं, शैक्षणिक वीडियो, डिजिटल पुस्तकालय और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित सामग्री बच्चों के सीखने के दायरे को बढ़ाती है। इंटरनेट उन्हें अपनी प्रतिभा पहचानने, नए कौशल विकसित करने और देश-दुनिया में हो रहे बदलावों से परिचित होने का अवसर भी देता है। ऐसे में यदि बच्चों को इंटरनेट से पूरी तरह दूर रखने की नीति अपनाई जाती है, तो इसका असर केवल उनके मनोरंजन पर नहीं पड़ेगा, बल्कि उनके शैक्षणिक और बौद्धिक विकास पर भी पड़ सकता है। जिन बच्चों के पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के सीमित साधन हैं, उनके लिए यह दूरी और अधिक नुकसानदेह हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि बच्चों को डिजिटल दुनिया से काटने के बजाय उन्हें इस दुनिया का सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग करना सिखाया जाए। इंटरनेट तक पहुंच का अर्थ यह नहीं है कि बच्चों को बिना किसी मार्गदर्शन के हर तरह की सामग्री देखने और हर मंच का इस्तेमाल करने की छूट मिलनी चाहिए। अधिकारों के साथ जिम्मेदारी और सुरक्षा के उपाय भी उतने ही जरूरी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिगों से जुड़ी अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री को रोकने में सोशल मीडिया मंचों की भूमिका पर गंभीर चिंता जताई है। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि बच्चों को नुकसान पहुंचाने वाली सामग्री प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उपलब्ध नहीं होनी चाहिए। ऐसी सामग्री को न तो अपलोड करने दिया जाना चाहिए और न ही उसके प्रसार को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। यह जिम्मेदारी केवल बच्चों या उनके अभिभावकों की नहीं है, बल्कि सोशल मीडिया कंपनियां, इंटरनेट सेवा प्रदाताओं, संबंधित संस्थाओं और नियामक व्यवस्था की भी है।

छत्तीसगढ़ में आधारभूत रेल

अधोसंरचना का तेजी से विकास हो रहा है, जिसका लाभ प्रदेश के

प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक नागरिक

तक पहुंच रहा है। आधुनिक

सुविधाओं से सुसज्जित रेलवे स्टेशनों

के विकसित होने से यात्रियों को

अधिक सुरक्षित, सुगम और

सुविधाजनक यात्रा का अनुभव

मिलेगा। बेहतर प्रतीक्षालय,

दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं,

स्वच्छ परिसर, आधुनिक यात्री

सुविधाएं तथा उन्नत अधोसंरचना से

आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण रेल

सेवाएं उपलब्ध होंगी। देश के प्रमुख

औद्योगिक और खनिज उत्पादक

राज्यों में शामिल छत्तीसगढ़ में रेलवे

नेटवर्क का विस्तार अब राष्ट्रीय

लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय

कनेक्टिविटी की जरूरतों से जुड़ रहा

है। वर्तमान में प्रदेश में 51,080

करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं

पर काम चल रहा है। छत्तीसगढ़

मध्य भारत का महत्वपूर्ण

औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स केंद्र है।

ऐसे में मजबूत रेल नेटवर्क प्रदेश की

अर्थव्यवस्था को नई गति देगा।

राजेश अग्रवाल

भारतीय संस्कृति में सेवा केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि जीवन का सर्वोच्च संस्कार है। सेवा की यही भावना व्यक्ति को स्वयं से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए समर्पित होने की प्रेरणा देती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष इसी सेवा, समर्पण, सुशासन और राष्ट्र निर्माण की प्रेरक यात्रा के प्रतीक हैं।

7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जनसेवा का दायित्व संभालने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन के इन 25 वर्षों में जनकल्याण और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। गुजरात के मुख्यमंत्री से कि लेकर देश के प्रधानमंत्री तक की उनकी यात्रा विकास, दृढ़ संकल्प और जनविश्वास की मिसाल रही है।

उन्होंने शासन को केवल प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते वर्षों में देश ने जनकल्याण और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना से करोड़ों परिवारों को पक्के घर का सहारा मिला है। उज्ज्वला योजना ने महिलाओं को धुप से राहत दिलाई, आयुष्मान भारत ने जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की और स्वच्छ भारत

विचार

रेल नेटवर्क के विस्तार से बदल रही छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी



धनंजय राठौर
संयुक्त संचालक
जनसंपर्क संचालनालय, रायपुर

रेलवे के विकास से उद्योगों की परिवहन लागत कम होगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी, किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध होंगे तथा युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। प्रदेश में नई रेल परियोजनाओं, दोहरीकरण, विद्युतीकरण तथा आधुनिक रेलवे सुविधाओं के विस्तार से विकास को नई दिशा मिल रही है। यह परिवर्तन विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूत करेगा। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास से छत्तीसगढ़ में रेल इन्फ्रस्ट्रक्चर के विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026–27 के लिए राज्य के रेलवे बजट का आवंटन बढ़ाकर 7,470 करोड़ रुपये कर दिया है जो वर्ष 2009–14 के दौरान औसतन 311 करोड़ रुपये सालाना था। इस तरह वार्षिक औसत आवंटन में करीब 24 गुना वृद्धि हुई है। इस निवेश का प्रमुख उद्देश्य व्यस्त रेल मार्गों पर दबाव कम करना, खनिज और औद्योगिक माल की आवाजाही बढ़ाना तथा उन क्षेत्रों तक रेल संपर्क पहुंचाना है, जहां अब तक कनेक्टिविटी सीमित रही है।

छत्तीसगढ़ की रेल रणनीति में खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा रेल कॉरिडोर महत्वपूर्ण है। करीब 278 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अप्रैल 2025 में मंजूर दी थी। तब इस परियोजना की लागत 8,741 करोड़ रुपये अनुमानित थी। बाद में इसमें संशोधन किया गया और इसकी अनुमानित लागत 7,854 करोड़ रुपये कर दी गई। इस परियोजना का उद्देश्य बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग के व्यस्त रेल खंडों को बाईपास कर माल और यात्री ट्रेनों के लिए अतिरिक्त रेल लाइन बिछाना है। इस कॉरिडोर से कोलकाता-मुंबई रेल मार्ग पर चलावता का दबाव कम करने और बलौदाबाजार सहित नए औद्योगिक

क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क देने की योजना है। इससे कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट और बिजली उत्पादन से जुड़े उद्योगों के लिए माल ढुलाई की क्षमता बढ़ेगी और सड़क मार्ग पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।साथ ही, मालगाड़ियों की आवाजाही सुगम होने से औद्योगिक इकाइयों को बाजारों तथा बंदरगाहों तक आसानी से पहुंचने में मदद मिलेगी।

रेल नेटवर्क के विस्तार का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू बस्तर की कनेक्टिविटी है। रावघाट-जगदलपुर (140 किमी)की महत्वपूर्ण रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है। जबकि किरंदुल-कोतागुडेम (180 किमी) तथा गढ़चिरोली-बीजापुर-किरंदुल (बचेली) की 490 किलोमीटर नई रेल लाइन परियोजना का सर्वे कार्य प्रगति पर है। दक्षीराजहरा-रावघाट रेल परियोजना के तहत दक्षीराजहरा से अंतागढ़ (77 किमी) तक रेल सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। इस रेलखंड पर यात्री रेल सेवा प्रारंभ होने से हजारों ग्रामीण पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़े हैं। इस परियोजना के अगले चरण में रावघाट तक संपर्क विकसित करने का काम चल रहा है। परियोजना पूरी होने पर रावघाट की लौह अयस्क खदानें सीधे भिलाई इस्पात संयंत्र से जुड़ जाएंगी, जिससे उद्योगों और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों को नई मजबूती मिलेगी। वहीं कोतावलसा-किरंदुल रेल लाइन के दोहरीकरण से बस्तर क्षेत्र में माल एवं यात्री परिवहन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

प्रस्तावित कटघोरा-डोंगराढ़ रेल लाइन की लंबाई करीब 295 किलोमीटर है। यह मार्ग कटघोरा से करतला, मुंगेली, कवर्धा और खैरागढ़ होते हुए डोंगराढ़ तक प्रस्तावित है। परियोजना को रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ सरकार के संयुक्त उपक्रम के माध्यम से विकसित करने की योजना है। इसके लिए स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी) गठित करने का प्रस्ताव है। इस रेल लाइन का महत्व उन क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने में है, जहां अभी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है या सीमित है। इससे यात्रियों की आवाजाही, कृषि उत्पादों के परिवहन, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

उत्तर छत्तीसगढ़ के लिए भी नई परियोजनाएं

सेवा के 25 वर्ष: जनकल्याण, सुशासन और विकसित भारत के संकल्प की प्रेरक यात्रा

मिशन ने स्वच्छता के साथ महिलाओं के सम्मान एवं गरिमा को मजबूत किया। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से नागरिकों को खाद्य सुरक्षा का लाभ मिल रहा है।

जनधन योजना, डिजिटल इंडिया और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण ने सरकारी योजनाओं की पहुंच को अधिक सरल और पारदर्शी बनाया है। किसान सम्मान निधि, मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया और कौशल विकास जैसी पहलों ने किसानों, युवाओं और उद्यमियों को नए अवसर प्रदान किए हैं। इन प्रयासों का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने को प्राथमिकता दी गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विकास के साथ भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण को भी नई दिशा दी है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का विकास और देश के प्रमुख तीर्थस्थलों पर सुविधाओं का विस्तार भारतीय संस्कृति के गरव को नई पहचान दे रहा है। धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन के विस्तार से स्थानीय रोजगार, हस्तशिल्प और आजीविका के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ भी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। प्रदेश में पर्यटन स्थलों

के विकास, जनजातीय संस्कृति के संरक्षण, धार्मिक स्थलों पर सुविधाओं के विस्तार और स्थानीय कलाकारों एवं शिल्पकारों को प्रोत्साहन देने के प्रयास किए जा रहे हैं। हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की महत्वपूर्ण आधारशिला है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान ने जनसेवा और जनभागीदारी को नई ऊर्जा प्रदान की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न रंगों को सेवा और राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास किया गया। ‘आशीर्वाद का दीया’ ने सेवा, आभार और सकारात्मकता का संदेश दिया, वहीं ‘मेरे सपनों का भारत-चित्र सेवा’ ने बच्चों और विद्यार्थियों को विकसित भारत की अपनी कल्पनाओं को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान किया। ‘नमो सेवा-अनकही कसनियां’ और ‘सेवा के रंग, राग, रंग’ जैसी पहलों ने कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सेवा की भावना को जल-जन तक पहुंचाया।

‘आंगन मिलन सेवा’ के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और महिला

सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता को प्रोत्साहन मिला। ‘सेवा की कहानी’ ने जनकल्याणकारी योजनाओं से नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को सांमने लाया। ‘सेवा संकल्प यात्रा’, ‘सेवा ज्योति कलश यात्रा’ और ‘सेवा मेरा योगदान’ जैसी पहलों ने सामाजिक सहभागिता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया।

इसी प्रकार ‘सेवा सेतु अभियान’ और ‘सुशासन सेवा संवाद’ ने नागरिकों को शासकीय सेवाओं से जोड़ने तथा प्रशासन को अधिक संवेदनशील और उत्तरदायी बनाने का संदेश दिया। ‘सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज’ ने युवाओं की नई सोच और नवाचार को प्रोत्साहित किया। इन गतिविधियों ने यह संदेश दिया कि राष्ट्र निर्माण केवल सरकार का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व है।

17 अक्टूबर 2026 को सेवा संकल्प अभियान का औपचारिक समापन हो रहा है। बीते एक महीने में इस अभियान ने सेवा, स्वच्छता, सामाजिक जागरूकता, रचनात्मकता और जनभागीदारी की भावना को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान किया है। लेकिन इस अभियान की वास्तविक सार्थकता तभी होगी, जब सेवा का यह संकल्प हमारे दैनिक जीवन और सामाजिक व्यवहार का स्थायी हिस्सा बने।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों की सेवा-यात्रा हमें प्रेरित करती है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, निरंतर परिश्रम और जनभागीदारी से बड़े परिवर्तन संभव हैं। विकसित भारत का निर्माण तभी होगा, जब प्रत्येक नागरिक अपने दायित्वों को समझते हुए समाज और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देगा। मैं छत्तीसगढ़ के सभी नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों, कलाकारों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों का अभिनंदन करता हूँ, जिन्होंने सेवा संकल्प अभियान की भावना को आगे बढ़ाने में योगदान दिया। आइए, हम सब संकल्प लें कि स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जरूरतमंदों की सहायता, बेटियों की शिक्षा, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और सामाजिक सद्भाव को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

सेवा संकल्प अभियान का समापन एक आयोजन का अंत है, सेवा भावना का नहीं। यह जनकल्याण, सुशासन और विकसित भारत के निर्माण की दिशा में नए संकल्पों की शुरुआत है।

सेवा को संस्कार, जनभागीदारी को शक्ति और राष्ट्र निर्माण को अपना साझा संकल्प बनाकर ही हम विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के सपने को साकार कर सकेंगे।

लेखक कैबिनेट मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन हैं।

धर्म, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना का त्योहार है दशहरा

प्रज्ञा पांडेय

भारत में प्रत्येक पर्व केवल धार्मिक आस्था का अवसर नहीं होता, बल्कि वह समाज को नैतिक मूल्यों, सांस्कृतिक विरासत और सामूहिक चेतना से जोड़ने का माध्यम भी बनता है। दशहरा एक महत्वपूर्ण पर्व है जो धर्म की प्रतिष्ठा, संस्कृति की निरंतरता और राष्ट्रीय चेतना के जागरण का संदेश देता है। दशहरा केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय समाज और राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना, शौर्य तथा नवसंकल्प का महापर्व है। यह एक त्योहार नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक एकता और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। देसीउत्पाद खोजें

भारत में प्रत्येक पर्व केवल धार्मिक आस्था का अवसर नहीं होता, बल्कि वह समाज को नैतिक मूल्यों, सांस्कृतिक विरासत और सामूहिक चेतना से जोड़ने का माध्यम भी बनता है। दशहरा एक महत्वपूर्ण पर्व है जो धर्म की प्रतिष्ठा, संस्कृति की निरंतरता और राष्ट्रीय चेतना के जागरण का संदेश देता है। रावण के पुतले का दहन केवल बाहरी बुराई का अंत नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के भीतर छिपे काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार और आलस्य जैसी प्रवृत्तियों को त्यागने का संदेश देता है।

दशहरा सांस्कृतिक एकता का प्रतीक माना जाता है क्योंकि पूरे भारत में उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक अलग-अलग रूपों में मनाया जाता है। दशहरा से अधर्म पर धर्म की



विजय प्राप्ति का संदेश पूरे राष्ट्र का आध्यात्मिकता एकता का परिचायक है। साथ ही यह पर्व भगवान श्रीराम द्वारा अहंकार और अधर्म के प्रतीक रावण पर विजय का प्रतीक है, जो सिखाता है कि अंततः सत्य की ही जीत होती है। भारतीय चिंतन में धर्म का अर्थ केवल पूजा-पद्धति या धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है। धर्म का व्यापक अर्थ है कर्तव्य, न्याय, सत्य, मर्यादा और लोककल्याण। दशहरे का मूल संदेश इसी व्यापक धर्मबोध में निहित है। रामायण की परंपरा के अनुसार, भगवान श्रीराम ने रावण का वध करके अन्याय और अहंकार

पर विजय प्राप्त की। इसी प्रकार, देवी दुर्गा द्वारा महिषासुर पर विजय शक्ति, साहस और न्याय की स्थापना का प्रतीक है। यह परंपरा हमें अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने तथा निर्बल और पीड़ित लोगों की रक्षा करने की प्रेरणा देती है। इस दृष्टि से दशहरा धर्म की विजय के साथ-साथ मानवीय गरिमा और न्यायपूर्ण व्यवस्था की स्थापना का भी पर्व है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाने वाला यह त्योहार देवी दुर्गा की शक्ति की उपासना तथा शस्त्र-पूजन (आयुध पूजा) का पावन अवसर होता है।

दशहरा भारतीय संस्कृति की समृद्धि, विविधता और जीवंतता का परिचायक है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में यह पर्व अलग-अलग परंपराओं और उत्सवों के माध्यम से मनाया जाता है। उत्तर भारत में रामलीला और रावण-दहन इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं। पश्चिम बंगाल और पूर्वी भारत के अनेक क्षेत्रों में दुर्गापूजा के समापन के साथ विजयदशमी का विशेष महत्त्व है। मैसूर का दशहरा अपनी भव्य सांस्कृतिक परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है, जबकि अनेक स्थानों पर शस्त्र-पूजन और आयुध-पूजन की परंपरा भी प्रचलित है। दशहरा हमारी लोककलाओं, संगीत, नाटक, शिल्प और सामुदायिक परंपराओं को भी जीवित रखता है। रामलीला के मंचन से नई पीढ़ी को भारतीय महाकाव्यों, आदर्श चरित्रों और नैतिक शिक्षाओं से परिचित होने का अवसर मिलता है। इस प्रकार यह पर्व अतीत की विरासत को वर्तमान से जोड़ते हुए भविष्य की पीढ़ियों तक पहुंचाने का महत्त्वपूर्ण माध्यम बनता है। रावण के पुतले का दहन केवल बाहरी बुराई का अंत नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के भीतर छिपे काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार और आलस्य जैसी प्रवृत्तियों को त्यागने का संदेश देता है।

राष्ट्रीय चेतना केवल राष्ट्र के प्रति भावनात्मक लगाव का नाम नहीं है। इसमें देश की सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान, संविधान के मूल्यों के प्रति निष्ठा, नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना भी शामिल है। दशहरा इन मूल्यों को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है। भारत की राष्ट्रीय एकता उसकी विविध भाषाओं, धर्मों, परंपराओं

और जीवन-पद्धतियों के बीच पारस्परिक सम्मान पर आधारित है। दशहरा इस सांस्कृतिक विविधता के भीतर विद्यमान साझा नैतिक मूल्यों को रेखांकित करता है। सत्य, न्याय, साहस, करुणा और लोककल्याण जैसे आदर्श किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समूची मानवता के लिए प्रासंगिक हैं।

राष्ट्रीय चेतना का वास्तविक अर्थ यह भी है कि नागरिक अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों को समझें। देश के प्रति निष्ठा केवल नारों और उत्सवों तक सीमित न रहे, बल्कि ईमानदारी, अनुशासन, सामाजिक सहयोग और सार्वजनिक संपत्ति के संरक्षण जैसे व्यवहारों में दिखाई दे। यदि दशहरे के अवसर पर हम इन संकल्पों को अपने जीवन में अपनाते हैं, तो यह पर्व राष्ट्रीय चरित्र के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। देशभर में रामलीलाओं का मंचन, कुछ्द्र और मैसूर के भव्य आयोजन, तथा बंगाल में दुर्गा विसर्जन के साथ यह पर्व विविधता में एकता और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करता है।

भारतों परंपरा में राष्ट्र को केवल भौगोलिक सीमाओं से परिभाषित नहीं किया गया है; उसके साथ भूमि, जनसमुदाय, संस्कृति, इतिहास और साझा जीवन-मूल्यों का गहरा संबंध है। आध्यात्मिक राष्ट्रवाद की दृष्टि से राष्ट्रप्रेम का आधार केवल राजनीतिक या भौतिक उपलब्धियां नहीं, बल्कि नैतिकता, आत्मानुशासन, सेवा और व्यापक मानवीय कल्याण भी है। भारत में यह पर्व खरीफ़ की फसलों के आने और कृषि समृद्धि का भी प्रतीक है। ऐतिहासिक रूप से इसी दिन से राजा-

महाराजा और योद्धा अपने नए अभियानों की शुरुआत करते थे। देसीउत्पाद खोजें रावण-दहन की परंपरा तभी सार्थक होगी, जब हम अपने भीतर के अहंकार, क्रोध, लोभ, ईर्ष्या और अन्यायपूर्ण प्रवृत्तियों को पहचानने का प्रयास करें। केवल पुतले जलाने से सामाजिक बुराइयों का अंत नहीं हो सकता। इसके लिए शिक्षा, नैतिक जागरूकता, सामाजिक सहभागिता और कानून के प्रति सम्मान आवश्यक हैं। निष्कर्षतः दशहरा धर्म, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना का ऐसा महापर्व है, जो भारतीय चेतना-दृष्टि के अनेक महत्त्वपूर्ण आदर्शों को एक सूत्र में पिरोता है। यह धर्म के माध्यम से कर्तव्य और न्याय का बोध कराता है, संस्कृति के माध्यम से हमारी ऐतिहासिक एवं सामूहिक स्मृति को सुरक्षित रखता है और राष्ट्रीय चेतना के माध्यम से राष्ट्रनिर्माण के प्रति उत्तरदायित्व जगाता है।

दशहरा की वास्तविक विजय तब होगी, जब सत्य हमारे आचरण में, संस्कृति हमारे व्यवहार में, धर्म हमारे कर्तव्यपालन में और राष्ट्रप्रेम हमारे जनसेवा के कार्यों में दिखाने देगा। आवश्यकता इस बात की है कि हम इस पर्व को केवल परंपरा के निर्वाह का अवसर न मानें, बल्कि आत्मसंथन और सामाजिक परिवर्तन का संकल्प-दिवस बनाएं। जब व्यक्ति अपने भीतर की बुराइयों पर विजय प्राप्त करेगा, तभी समाज सशक्त बनेगा और राष्ट्र की प्रगति को स्थायी आधार मिलेगा। यही दशहरे की आत्मा सांस्कृतिक गरिमा और राष्ट्रीय प्रासंगिकता है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

Since 1972

CROWN[®]-TV

Choice Of Millions

**LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size**



CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर

**राज्यपाल ने दी विजयादशमी पर्व की शुभकामनाएं**

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने विजयादशमी पर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने प्रदेश के सुख और समृद्धि की कामना करते हुए कहा है कि यह पर्व अन्याय पर न्याय और असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। यह उत्सव हमें सीख देता है कि कठिनाइयों के बावजूद हमें अपने आदर्शों और मूल्यों के प्रति दृढ़ रहना चाहिए और समाज में सद्भाव, एकता और शांति के लिए अपना योगदान देना चाहिए। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि जो लोग सत्य, सदाचार और अच्छाई के रास्ते पर चलते हैं, उनकी सदैव जीत होती है।

तारागांव जलाशय का 10 वर्षों का पट्टा देने हेतु 30 तक आवेदन आमंत्रित

जगदलपुर। जनपद पंचायत बस्तर द्वारा स्थानीय स्तर पर आजीविका संवर्धन और मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसके तहत जनपद पंचायत बस्तर के द्वारा तारागांव जलाशय को मछली पालन, मत्स्याखेट और मत्स्य विक्रय हेतु आगामी 10 वर्षों के लिए पट्टे पर आवंटित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। राजस्व अभिलेखों और शासकीय नक्शे के अनुसार, ग्राम तारागांव के खसरा नंबर 26 के अंतर्गत दर्ज यह विशाल जलाशय लगभग 49.15 हेक्टेयर के औसत जलक्षेत्र में फैला हुआ है। जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस जलक्षेत्र को लीज पर लेने के इच्छुक पंजीकृत समूह और समितियां 30 अक्टूबर तक अपने आवेदन कार्यालय जनपद पंचायत बस्तर में दे सकते हैं।

जल संरक्षण के साथ रोजगार का भी सृजन

जल संरक्षण से बदलेगी दर्री की तस्वीर : 24 लाख 30 हजार लीटर वर्षा जल सहेजने की अनूठी पहल

- मरवाही के डोंगरी टोला में 3 हजार कंटूर ट्रेंच का किया जाएगा निर्माण
- जल संरक्षण से 250 परिवारों को मिलेगी राहत
- निर्माण कार्य से ग्रामीणों को मिले 3166 मानव दिवस रोजगार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जल ही जीवन है और जल संरक्षण ही सुरक्षित भविष्य का आधार है। इसी भावना को साकार करते हुए गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में वर्षा जल संरक्षण और ग्रामीण आजीविका संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिले के मरवाही विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत दर्री के डोंगरी टोला में लगभग 3 हजार स्टेगर्ड कंटूर ट्रेंच का निर्माण कर 24 लाख 30 हजार लीटर वर्षा जल संग्रहण की क्षमता विकसित की गई है। यह पहल न केवल वर्षा जल को संरक्षित कर भूजल स्तर बढ़ाने में सहायक बनेगी, बल्कि गर्मी के दिनों में पानी की समस्या से जुझने वाले लगभग 250 ग्रामीण परिवारों के लिए भी भविष्य में राहत की नई उम्मीद लेकर आई है।

पहाड़ी एवं ढलान वाले क्षेत्रों में वर्षा के दौरान बड़ी मात्रा में पानी बहकर निकल जाता है। इससे एक ओर वर्षा जल का समुचित उपयोग नहीं हो पाता, वहीं दूसरी ओर मिट्टी का कटाव और भूजल स्तर में गिरावट जैसी समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं।

इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए ग्राम पंचायत दर्री के डोंगरी टोला में वैज्ञानिक पद्धति से स्टेगर्ड कंटूर ट्रेंच



का निर्माण किया गया है।

पहाड़ी ढलानों पर सीढ़ीनुमा क्रम में बनाई गई ये ट्रेंच वर्षा के पानी के बहाव को धीमा करने और उसे एकत्रित करने का कार्य करेंगी। ट्रेंच में संग्रहित पानी धीरे-धीरे जमीन में समाहित होगा, जिससे भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा मिलेगा। इस व्यवस्था से वर्षा जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के साथ प्राकृतिक जलस्रोतों के संरक्षण में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

डोंगरी टोला में निर्मित लगभग 3 हजार कंटूर ट्रेंच की कुल जल संग्रहण क्षमता 24 लाख 30 हजार लीटर है। यह क्षमता क्षेत्र में वर्षा जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वर्षा के दौरान इन संरचनाओं में पानी एकत्रित होने से आसपास की भूमि में नमी बनाए रखने, मिट्टी के कटाव को कम करने तथा भूजल पुनर्भरण में

सहायता मिलेगी।

विशेष रूप से गर्मी के मौसम में जल संकट का सामना करने वाले लगभग 250 परिवारों के लिए यह पहल दीर्घकालीन जल सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। भूजल स्तर में सुधार होने से आसपास के कुओं और अन्य पारंपरिक जलस्रोतों को भी लाभ मिलने की संभावना है।

इस पहल की विशेषता यह है कि पर्यावरण एवं जल संरक्षण के साथ स्थानीय ग्रामीणों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित किए गए हैं। कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य में प्रतिदिन लगभग 150 से 160 श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। अब तक एकत्रित होने से आसपास की भूमि में नमी बनाए रखने, मिट्टी के कटाव को कम करने तथा भूजल पुनर्भरण में

स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलने से ग्रामीण परिवारों को आजीविका का सहारा मिला है। इस प्रकार जल संरक्षण का यह कार्य प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने की दिशा में भी उपयोगी साबित हो रहा है।

स्टेगर्ड कंटूर ट्रेंच निर्माण से वर्षा जल के संरक्षण के साथ पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी सहायता मिलने की उम्मीद है। वर्षा जल के जमीन में समाहित होने से मिट्टी में नमी बढ़ेगी, जिससे आसपास के पेड़-पौधों और वनस्पतियों के विकास के लिए अनुकूल परिस्थितियां निर्मित होंगी।

इसके साथ ही तेज वर्षा के दौरान पानी के बहाव को नियंत्रित करने से निर्माण कार्य के माध्यम से कुल 3166 मानव दिवस रोजगार का सृजन हो चुका है।

उपलब्धता में भी सुधार की संभावना है।

ग्राम पंचायत दर्री के डोंगरी टोला में विकसित जल संरक्षण संरचनाएं इस बात का उदाहरण हैं कि प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक एवं सुनियोजित प्रबंधन ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव का आधार बन सकता है। एक ओर वर्षा जल को सहेजने के लिए स्थायी संरचनाएं विकसित की गई हैं, वहीं दूसरी ओर निर्माण कार्य के माध्यम से ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार भी उपलब्ध हुआ है।

लगभग 250 परिवारों के लिए जल सुरक्षा की उम्मीद जगाने वाली यह पहल आने वाले समय में भूजल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और ग्रामीण आजीविका को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इससे उनका जीवन स्तर भी उठेगा।

आज रावघाट पहुंचेगी रेल, जुड़ेगा नया अध्याय : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री की पहल पर डिजिटल प्रशासन की पहल, 38 विभागों की 939 सेवाएं एक मंच पर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री साय की उपस्थिति में 20 अक्टूबर को ताड़ोकी - रावघाट एवं अभनपुर - कुरुद ब्रॉडगेज रेल लाइन का होगा उद्घाटनमुख्यमंत्री श्री साय की उपस्थिति में 20 अक्टूबर को ताड़ोकी - रावघाट एवं अभनपुर - कुरुद ब्रॉडगेज रेल लाइन का होगा उद्घाटनमुख्यमंत्री श्री साय की उपस्थिति में 20 अक्टूबर को ताड़ोकी - रावघाट एवं अभनपुर - कुरुद ब्रॉडगेज रेल लाइन का होगा उद्घाटन

छत्तीसगढ़ के रेल इतिहास में 20 अक्टूबर का दिन एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में दर्ज होने जा रहा है। आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक रेल पहुंचेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में ताड़ोकी - रावघाट रेल लाइन एवं अभनपुर - कुरुद ब्रॉडगेज रेल लाइन का उद्घाटन किया जाएगा। इस अवसर पर रावघाट - रायपुर एवं रायपुर - कुरुद नई यात्री रेल सेवाओं का शुभारंभ तथा रायपुर में इलेक्ट्रिक रेल इंजन मेटेंसेस फैसिलिटी का शिलान्यास भी होगा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि रावघाट तक रेल पहुंचना केवल रेल नेटवर्क का विस्तार नहीं, बल्कि बस्तर और दक्षिण छत्तीसगढ़ के



दूरस्थ क्षेत्रों को विकास की नई संभावनाओं से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण कदम है। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, व्यापार और आवागमन की सुविधाओं का विस्तार होगा तथा क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। डबल इंजन सरकार का संकल्प है कि प्रदेश के दूरस्थ और जनजातीय अंचलों तक भी आधुनिक परिवहन सुविधाएं पहुंचें और विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हो।

दल्लीराइड़ा से रावघाट के मध्य लगभग 1,628 करोड़ रुपए की लागत से 95 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन का कार्य पूर्ण

किया गया है। ताड़ोकी से रावघाट के बीच 17.5 किलोमीटर रेल लाइन का निर्माण पूरा होने के साथ ही यह महत्वपूर्ण परियोजना पूर्ण हो गई है।

रावघाट तक रेल संपर्क स्थापित होने से क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और व्यापार के अवसरों तक पहुंच आसान होगी। इससे औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। रावघाट क्षेत्र के लौह अयस्क के परिवहन और भिलाई इस्पात संयंत्र सहित देश के इस्पात उद्योग की आवश्यकताओं की दृष्टि से भी यह रेल संपर्क महत्वपूर्ण होगा।

अभनपुर - धमतरी गेज परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत अभनपुर से कुरुद के बीच 22 किलोमीटर रेल लाइन का गेज

परिवर्तन कार्य पूरा हो गया है। इसके उद्घाटन से क्षेत्र में रेल संपर्क का विस्तार होगा और यात्रियों को राजधानी रायपुर तक बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी। परियोजना के शेष कुरुद - धमतरी सेक्शन में कार्य प्रगति पर है।

रावघाट - रायपुर एवं रायपुर - कुरुद नई यात्री रेल सेवाओं के शुरू होने से विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, किसानों, व्यापारियों और आम यात्रियों को सीधी रेल कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा। इससे शिक्षा, व्यापार, कृषि और पर्यटन से जुड़ी गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

रायपुर में विकसित होगी आधुनिक रेल इंजन मेटेंसेस सुविधा

रायपुर में इलेक्ट्रिक रेल इंजन मेटेंसेस फैसिलिटी का भी शिलान्यास किया जाएगा। इस आधुनिक सुविधा के विकसित होने पर भविष्य में 300 हाई हॉर्सपावर इलेक्ट्रिक रेल इंजनों के रखरखाव की क्षमता विकसित होगी। इससे रेल परिचालन को अधिक सुचारु बनाने और बढ़ती माल परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नई रेल लाइनें, यात्री सेवाएँ और आधुनिक रेल अधोसंरचना छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा को नई गति देंगी। रावघाट तक रेल की सीटी अब केवल यात्रा की शुरुआत नहीं, बल्कि बस्तर में विकास, विश्वास और नई संभावनाओं के एक नए दौर का प्रारम्भ है।

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सुशासन को सरल, पारदर्शी और जनसुलभ बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा सेवा सेतु का संचालन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं के लिए कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने की परेशानी से मुक्ति दिलाना और सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं को आमजन की पहुंच में लाना है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से शासन और जनता के बीच की दूरी कम करने वाली यह व्यवस्था नागरिक-केंद्रित प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सेवा सेतु के माध्यम से प्रदेश में 38 विभागों की 939 सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन सेवाओं के संचालन के लिए 16 हजार 773 सेवा केंद्रों का नेटवर्क तैयार किया गया है। अब तक सेवा सेतु में ऑनलाइन प्राप्त 55 लाख 13 हजार 672 आवेदनों पर कार्यवाही जारी है। इस व्यवस्था से 21 हजार 582 अधिकारी-कर्मचारी ऑनबोर्ड होकर सेवाओं



के संचालन में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। ये आंकड़े प्रदेश में डिजिटल माध्यम से नागरिक सेवाओं को व्यापक स्तर पर उपलब्ध कराने के प्रयासों को दर्शाते हैं।

सेवा सेतु की प्रमुख विशेषता यह है कि नागरिकों को अनेक आवश्यक शासकीय सेवाओं के लिए एक ही मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन तथा गुमास्ता लाइसेंस सहित विभिन्न सेवाओं के लिए इस व्यवस्था के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इससे नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों में जाने की आवश्यकता कम होती है और आवेदन प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक बनती जा रही है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों

बकरियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए चलाया जा रहा है सघन पीपीआर टीकाकरण अभियान

नारायणपुर। बकरी को गरीब की गाय कहा जाता है। नारायणपुर जिला के ग्रामीण परिवेश में बकरीपालन सदैव ही पशुपालकों के आर्थिक सामाजिक विकास की धुरी रहा है। कलेक्टर श्रीमती नम्रता जैन के निर्देशानुसार पशुधन विकास विभाग के द्वारा 21 सितंबर 2026 से 07 नवंबर तक भेड़-बकरियों की एक बहुत ही संक्रामक रोग बकरी प्लेग (पीपीआर) का सघन टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। उपसंचालक डॉ आर के पडोटी के नेतृत्व में जिले में 11 टीकाकरण दल का गठन किया गया है। ये दल अपने संस्था क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में भ्रमण करते हुए 3 महीने से ज्यादा उम्र के भेड़ बकरियों में टीकाकरण कार्य को संपादित कर रहे हैं। टीकाकरण अभियान के दौरान 102 गांवों में 31788 टीकाकरण किया जा चुका है।

बकरी प्लेग रोग भेड़ बकरियों की बहुत ही संक्रामक एवं जानलेवा विषाणु जनित रोग है। इस बिमारी से ग्रसित होने पर इन पशुओं तेज बुखार, मुंह में छाले, नाक आंख से पानी निकलना, सांस लेने में परेशानी, दस्त और कमजोरी जैसे लक्षण दिखते हैं। सही उपचार के अभाव में पशुओं की मृत्यु भी हो जाती है। टीकाकरण के माध्यम से इस बिमारी से भेड़ बकरियों को बचाया जा सकता है।

बकरी का मांस प्रोटीन एवं वसा का एक बहुत ही अच्छा स्रोत होता है। इसके साथ ही बकरियों से मिलने वाला गोबर एक संपूर्ण खाद के रूप उपयोग किया जाता है। भेड़ बकरियों के आर्थिक-सामाजिक महत्व को देखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार के निर्देश में यह सघन टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है एवं पशुधन विकास विभाग सभी उपखंडों से यह अनुरोध करता है, वे अपने भेड़ बकरियों में टीकाकरण करवाकर इस सघन टीकाकरण अभियान के सहभागी बनें।

जशपुर में 150 हेक्टेयर खेतों तक पहुंचेगा सिंचाई का पानी

- कांसाबेल क्षेत्र में 5.45 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा महादेवमुड़ा एनीकट कम काजवे
- निर्धारित समय-सीमा में निर्माण पूर्ण करने कार्यों में तेजी, किसानों ने जताया आभार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, जल संरक्षण और किसानों की आर्थिक समृद्धि के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री श्री साय के गृह जिले जशपुर के कांसाबेल क्षेत्र में 5 करोड़ 45 लाख रुपये की लागत से महादेवमुड़ा एनीकट कम काजवे का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र की लगभग 150 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा। इससे किसानों की वर्षा जल पर निर्भरता कम करने, कृषि उत्पादन बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।



महादेवमुड़ा एनीकट कम काजवे का निर्माण क्षेत्र में उपलब्ध जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और सिंचाई क्षमता के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस परियोजना के माध्यम से वर्षा जल का संचयन कर उसका कृषि कार्यों में उपयोग किया जा सकेगा। इससे किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ेगी और खेती-किसानी से जुड़ी कठिनाइयों को कम करने में सहायता मिलेगी। एनीकट

के साथ काजवे का निर्माण होने से स्थानीय आवागमन की सुविधा में भी सुधार होने की उम्मीद है।

महादेवमुड़ा एनीकट कम काजवे के निर्माण से कांसाबेल क्षेत्र की लगभग 150 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ने से किसानों को फसलों की समय पर सिंचाई करने में सहायता मिलेगी। विशेष रूप से वर्षा आधारित खेती करने वाले किसानों के लिए

यह परियोजना उपयोगी साबित होगी।

सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से किसानों को परंपरागत फसलों के साथ अन्य लाभकारी फसलों की खेती उपनाने के अवसर भी मिल सकेंगे। इससे फसल विविधीकरण, कृषि उत्पादकता में वृद्धि और किसानों की आय बढ़ाने की संभावनाओं को बल मिलेगा। साथ ही छोटे और सीमांत किसानों को भी उपलब्ध जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करने में मदद मिलेगी।

महादेवमुड़ा एनीकट कम काजवे का निर्माण जल संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। वर्षा ऋतु में बहकर निकल जाने वाले पानी को रोककर उसका संचयन किया जा सकेगा। इससे आसपास के क्षेत्रों में भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा मिलने और जल स्तर में सुधार होने की संभावना है। जल संग्रहण की बेहतर व्यवस्था से कृषि कार्यों के साथ ग्रामीणों की अन्य जल संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में भी सहायता मिलेगी।

एनीकट से स्थानीय जल संसाधनों के संरक्षण और उनके समुचित उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। वहीं काजवे की सुविधा से क्षेत्र में आवागमन को अधिक सुगम बनाने में मदद मिलेगी। यह परियोजना सिंचाई के साथ-साथ जल संरक्षण और ग्रामीण अधोसंरचना के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में

COMPLETE FAMILY SALON

हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

पहले बाद में

JATU'Z

CUT N SHINE

93009-11331

रंगोली वैगलस के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रॉनिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P122

PH.: 0748-4060131

अनुप ट्रेडर्स

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता

लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

मो. 09826389666, 8839749539

खास-खबर



23 अक्टूबर को सिरहासार भवन में लगेगा मुरिया दरबार, राष्ट्रपति शामिल होंगी

जगदलपुर। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व को सबसे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक रस्मों में शुमार मुरिया दरबार को लेकर बीते कुछ दिनों से चल रही तमाम अटकलों और चर्चाओं पर अब पूरी तरह विराम लगा दिया गया है। बस्तर दशहरा समिति ने स्थिति स्पष्ट करते हुए आधिकारिक तौर पर बताया है कि 23 अक्टूबर को आयोजित होने वाला यह पारंपरिक दरबार अपने पूर्व निर्धारित और ऐतिहासिक स्थल यानी सिरहासार भवन में ही आयोजित किया जाएगा। वर्षों से चली आ रही इस गौरवशाली परंपरा को निभाते हुए स्पष्ट कर दिया गया है कि इस वर्ष भी आयोजन स्थल में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है।

इसके साथ ही मुरिया दरबार का नाम बदले जाने को लेकर फैल रही खबरों को भी सिरे से खारिज करते हुए बस्तर दशहरा समिति ने स्पष्ट किया कि नाम परिवर्तन की बात पूरी तरह निराधार और अप्रमाह मात्र है। बस्तर दशहरा समिति की ओर से वितरित किए जा रहे निर्माण पत्र में भी स्पष्ट तौर पर मुरिया दरबार का ही उल्लेख किया गया है, जिससे यह साफ होता है कि सदियों पुरानी इस सामाजिक-सांस्कृतिक धरोहर के स्वरूप या पहचान से कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। वहीं दूसरी ओर बस्तर दशहरा के पावन अवसर पर आम जनता और आंगणुकों की सुविधा के लिए लालबाग मैदान में प्रदर्शनी और आमसभा का आयोजन किया जा रहा है, ताकि दोनों कार्यक्रम अपनी-अपनी गरिमा और स्वरूप के साथ सुगमता से संपन्न हो सकें। इस बारे में जनसामान्य से किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरों और अपुष्ट अफवाहों पर ध्यान न देने का अनुरोध किया है।

माता की भक्ति में रमे उपमुख्यमंत्री शर्मा, मंजीरा लेकर ग्रामीणों के साथ गाया जसगीत

कबीरधाम के कोडार गांव में देर रात दुर्गा पूजन एवं ज्योति कलश पूजन में हुए शामिल, माता के दर्शन कर लिया आशीर्वाद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा बीते रात कबीरधाम जिले के ग्राम दोधा और कोडार में आयोजित मां दुर्गा पूजन एवं

ज्योति कलश पूजन कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान उनका अलग ही भक्तिमय अंदाज देखने को मिला।

माता के भजनों और जसगीतों के बीच उन्होंने स्वयं हाथों में मंजीरा धाम लिया और ग्रामीणों के साथ भक्ति में रम गए। उप मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर ग्रामीणों का भी उत्साह दोगुना हो गया। ढोलक, झांझ और मंजीरे की मधुर थाप पर उप मुख्यमंत्री भी ग्रामीणों के साथ झूम उठे। माता के जयकारों



और पारंपरिक जसगीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। देर रात तक चले जसगीत के कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अंत तक उपस्थित रहे और माता के गीत गाते रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने दोनों गांवों में माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठकर भजन-कीर्तन में सहभागिता की। इस

दौरान आस्था, लोक संस्कृति और आत्मीयता का अनूठा संगम देखने को मिला।

धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात कर उनकी समस्याएं और मांगें भी सुनीं। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए और देर रात तक ग्रामीणों के बीच भक्ति रस में डूबे हुए दिखे।

राष्ट्रीय एकता और नशामुक्त भारत का संदेश लेकर कबीरधाम पहुंची नेशनल बाइक रैली

● **उप मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर मध्यप्रदेश के लिए किया रवाना**

● **सरदार पटेल ने सैकड़ों रियासतों को भारत में मिलाया था**

● **ओडिशा और छत्तीसगढ़ पुलिस के बाइक राइडर्स का किया सम्मान**



रायपुर। राष्ट्रीय एकता दिवस-2026 के अवसर पर ‘एक भारत, श्रेष्ठ भारत’ और ‘नशामुक्त भारत, सशक्त भारत’ का संदेश लेकर निकली राष्ट्रीय बाइक रैली का कबीरधाम जिले में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के तत्वावधान में ‘फाइट अगेस्ट ड्रग्स’ थीम पर आयोजित इस रैली के अभिनंदन एवं फ्लैग ऑफ समारोह में उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा शामिल हुए। उन्होंने पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम, कवर्धा में आयोजित समारोह में ओडिशा और छत्तीसगढ़ पुलिस के बाइक राइडर्स का सम्मान किया तथा रैली को हरी झंडी दिखाकर मध्यप्रदेश के लिए रवाना किया।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने समारोह

को संबोधित करते हुए कहा कि लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की सैकड़ों रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनका योगदान देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय चेतना को सदैव प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि इस बाइक रैली केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक की यात्रा नहीं, बल्कि देशवासियों को राष्ट्रीय एकता के सूत्र में जोड़ने और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करने का महत्वपूर्ण अभियान है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि अखिल भारतीय सेवाएं, जीएसटी, आधार, वन नेशन-वन राशन कार्ड और राष्ट्रीय पावर ग्रिड जैसी व्यवस्थाएं देश के विभिन्न हिस्सों को एक सूत्र में जोड़ने का

कार्य कर रही हैं। लोकतंत्र में विचारों और राजनीतिक दलों के बीच मतभिन्नता हो सकती है, लेकिन देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सभी की प्रतिबद्धता सर्वोपरि है। उन्होंने युवाओं से सरदार पटेल के आदर्शों को सहभागिता से आयोजित यह अभियान योगदान देने का आह्वान किया।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बस्तर में नक्सलवाद के कारण उत्पन्न कठिन परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सुरक्षा बलों, पुलिस, प्रशासन और विभिन्न एजेंसियों के समन्वित प्रयासों से क्षेत्र में शांति एवं विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल हुई हैं।

उन्होंने देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को नमन किया। उन्होंने कहा कि

स्थायी शांति के साथ शिक्षा, रोजगार और विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर ही प्रभावित क्षेत्रों की प्रगति की मुख्यधारा से मजबूती से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ बनाने और देश की प्रगति में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।

28 राज्यों और 8 केंद्रशासित प्रदेशों से गुजरेगी रैली

राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित यह देशव्यापी बाइक रैली 28 राज्यों और 8 केंद्रशासित प्रदेशों में राष्ट्रीय एकता एवं नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने वाले अभियान का हिस्सा है। देशभर में इस अभियान को उत्तर, मध्य, दक्षिण और उत्तर-पूर्व के चार प्रमुख जोन में विभाजित किया गया है। विभिन्न राज्यों की पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और केंद्रीय पुलिस संगठनों की सहभागिता से आयोजित यह अभियान 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर गुजरात के एकता नगर में संपन्न होगा। मध्य जोन की रैली में बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश शामिल हैं। ओडिशा के भुवनेश्वर से निकली रैली 16 अक्टूबर को महासमुंद होते हुए रायपुर पहुंची थी। रायपुर में स्वागत एवं सम्मान समारोह के बाद 18 अक्टूबर को बलौदाबाजार-भाटापारा और बेमेतरा होते हुए कबीरधाम पहुंची।

लड़का घर से संवर रहा बचपन, कुपोषण पर प्रहार

धमतरी। जिले में बच्चों के स्वस्थ बचपन, समुचित पोषण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को एक साथ जोड़ने की अनूठी पहल के रूप में ‘लड़का घर’ तेजी से विकसित हो रहे हैं। बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और बाल-अनुकूल वातावरण प्रदान करने के साथ-साथ उनके शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू की गई यह योजना समाज के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला रख रही है।

प्रारंभिक अवस्था में ही बच्चों की जरूरतों पर ध्यान देकर कुपोषण की समस्या को दूर करने, उनकी सीखने की क्षमता विकसित करने और शिक्षा से निरंतर



जोड़े रखने की दिशा में यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। इस व्यवस्था की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसमें बचपन से लेकर विद्यालय तक की सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध कराई जाती हैं। नगरी विकासखंड के ग्राम सियादेही का मॉडल इसका

बेहतरीन उदाहरण है, जहां सात माह से तीन वर्ष तक के बच्चों की देखभाल के लिए लड़का घर, तीन से छह वर्ष के बच्चों के लिए आंगनबाड़ी और उसके बाद प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा की सुविधा एक ही प्रांगण में संचालित हो रही है। इस एकीकृत व्यवस्था से बच्चों के विकास के विभिन्न चरणों में निरंतरता बनी रहती है।

धमतरी में स्वामित्व योजना

50 हजार से अधिक परिवारों को मिला अपनी ज़मीन का ‘स्वामित्व अधिकार’, चिंता हुई दूर

► **पारदर्शी एवं तकनीकी भूमि प्रबंधन की मिसाल बना जिला**

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। धमतरी जिले ने केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी स्वामित्व योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में पूरे छत्तीसगढ़ में नया कीर्तिमान रचते हुए प्रथम स्थान हासिल किया है। इस योजना के तहत ग्रामीण आबादी भूमि पर वर्षों से निवासरत 50 हजार से अधिक परिवारों को उनकी संपत्ति का वैधानिक दस्तावेज यानी अधिकार अभिलेख सौंपकर उन्हें मालिकाना हक प्रदान किया गया है। हाल ही में सेवा संकल्प अभियान और अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने 40 हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से स्वामित्व प्रमाण पत्र प्रदान किए।

योजना को धरातल पर उतारने के लिए जिले के 501 ग्रामीण राजस्व ग्रामों में सर्वे ऑफ इंडिया के माध्यम से अत्याधुनिक ड्रोन सर्वेक्षण कराया गया है। इसके जरिए आबादी क्षेत्र के भीतर स्थित मकानों, भूखंडों और शासकीय



परिसंपत्तियों की सीमाओं का चूने से सीमांकन कर भौतिक सत्यापन किया गया।

राजस्व अमले द्वारा मैदानी स्तर पर मिलान कर प्रारंभिक अभिलेख तैयार किए गए, जिसके बाद ई-कोर्ट प्रणाली के जरिए पारदर्शिता के साथ दावा-आपत्तियों का निराकरण किया गया। अंततः ग्राम पंचायतों के प्रस्ताव और डिजिटल पोर्टल पर अपलोड करने की प्रक्रिया के पश्चात यह अधिकार पत्र हितग्राहियों तक पहुंचाए जा रहे हैं। जिले में अब तक सभी 501

ग्रामों में प्रथम प्रकाशन का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि 390 से अधिक गांवों में अंतिम प्रकाशन की प्रक्रिया भी संपन्न हो चुकी है। निर्धारित 78,416 के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 63,826 अधिकार अभिलेख तैयार किए जा चुके हैं, जिनमें से 47 हजार से अधिक का विवरण हो चुका है। शेष ग्रामों में इस प्रक्रिया को नवंबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

इस अभियान से ग्रामीण परिवारों को दूरगामी आर्थिक और सामाजिक लाभ मिलने शुरू

एशियन पैरा गेम्स में मोना ने सोना, अर्वनि ने चांदी जीता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारत की शानदार शुरुआत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महिला 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली मोना अग्रवाल और रजत पदक हासिल करने वाली अर्वनि लेखरा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। दोनों भारतीय निशानेबाजों ने एक ही स्पर्धा में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर अंतर्राष्ट्रीय खेल मंच पर तिरंगे का मान बढ़ाया है।

श्री चौधरी ने कहा कि एशियन पैरा गेम्स में भारत का डबल पोंडियम पूरे देश के लिए गर्व और उल्लास का क्षण है। मोना अग्रवाल ने 250.0 अंकों के साथ एशियन पैरा गेम्स का नया रिकॉर्ड स्थापित करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया, वहीं अर्वनि लेखरा ने शानदार प्रदर्शन कर रजत पदक



हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों की यह उपलब्धि भारतीय पैरा खेलों की बढ़ती ताकत, प्रतिभा और उत्कृष्टता का शानदार उदाहरण है।

कन्या छात्रावास में नाबालिग छात्रा से जुड़ा मामला, कलेक्टर ने गठित किया चार सदस्यीय जांच दल

उत्तर बस्तर कांकेर। भानुप्रतापपुर स्थित प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास की छात्रा की तबीयत बिगड़ने पर छात्रावास अधीक्षक द्वारा तत्काल उसका चिकित्सकीय परीक्षण करवाया गया। जांच के दौरान छात्रा के गर्भवती होने की पुष्टि हुई। मामले की जानकारी छात्रा के परिजनों के साथ-साथ संबंधित उच्चाधिकारियों को भी दी गई। आदिवासी विकास विभाग की सहायक आयुक्त सुश्री जया मनु के अनुसार, छात्रा के परिजन पहले उसे बैगा के पास ले जा रहे थे। जानकारी मिलने पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), भानुप्रतापपुर अनिकेत अशोक फड़ते की अध्यक्षता में चार सदस्यीय जांच दल का गठन किया है।

SAIRAM
Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्वेक्स एवं प्रहल्ल उपलब्ध यहां
उचित व्याज दर पर धिरोवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

CAR DECOR

House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories

**Shop No.3 Nafish Tower,
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai**

Mo.9300771925, 0788-4030919

K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE

**Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture**

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 22964330

Jaquar Roca **Perrysone** **AJAY FLOWLINE**

Shri Vijay Enterprises

**Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.**

Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573



आयुष्मान योजना से स्वास्थ्य सुरक्षा का सुदृढ़ कवच



2.50 करोड़

से अधिक
आयुष्मान कार्ड



5.84 लाख

वय वंदना कार्ड जारी



1,672

शासकीय एवं निजी
अस्पतालों के नेटवर्क
के माध्यम से पात्र हितग्राहियों
को कैशलेस उपचार

स्वस्थ्य छत्तीसगढ़
सशक्त छत्तीसगढ़



हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें

सुशासन से समृद्धि की ओर



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री